Patrika (Indore), 18th August 2022, Page-01

आइआइटी में होगा काम | संभावना तलाशने नीति आयोग के सदस्य ने किया दौरा

इंदौर में डिजाइन होगी ताइवान, मलेशिया में बनने वाली चिप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. दुनिया के 99% इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट और कारों में इस्तेमाल होने वाली चिप का कमर्शियल प्रोडक्शन देश में जल्द शुरू होने जा रहा है। इस चिप की डिजाइन आइआइटी इंदौर में होगी।

इसकी संभावना तलाशने के लिए बुधवार को नीति आयोग के सदस्य, डीआरडीओ के पूर्व महानिदेशक डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने आइआइटी इंदौर का दौरा किया। यहां की लैब देखने और वैज्ञानिकों से जानकारी लेने के बाद वे फैबलैस फाउंड्री की स्थापना के लिए संतुष्ट नजर आए।

कमर्शियल प्रोजेक्ट जैसे कार, मोबाइल आदि में इस्तेमाल होने वाली चिप के लिए मैसूर में मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट आइएसएमसी शुरू होने जा रही है, जो देश की पहली कमर्शियल यूनिट होगी।

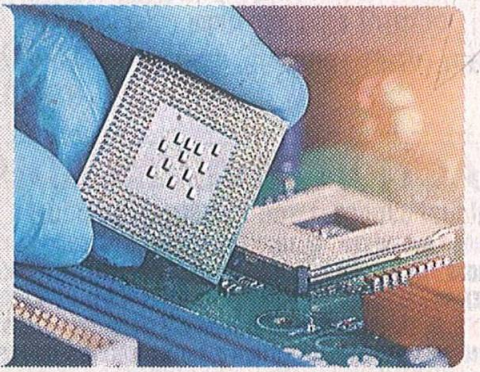

वर्तमान में ताइवान सेमी कंडक्टर चिप का सबसे बड़ा निर्माता है। इसके बाद मलेशिया, सिंगापुर, कनाडा, यूएस, जर्मनी में बहुतायात में चिप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। भारत में फिलहाल एकमात्र चंडीगढ़ में चिप बनती (फैब्रिकेट) है। ये चिप सिर्फ इसरो के लिए है।

रिसर्च वर्क की दी जानकारी

डॉ. सारस्वत ने आइआइटी के संकाय सदस्यों से मुलाकात की, जो चिप डिजाइनिंग के विशेषज्ञ हैं और इस क्षेत्र में व्यापक शोध कर रहे हैं। उनका प्रमुख फोकस, वेरी लार्ज-स्केल इंटीग्रेशन (वीएलएसआइ) डिजाइन, निर्माण और अनुप्रयोग पर था। आइआइटी इंदौर के 20 संकाय सदस्यों ने डॉ. सारस्वत को आइआइटी में चल रहे रिसर्च वर्क की जानकारी दी।

क्या है फैबलैस फाउंड्री

सॉफ्टवेयर के जरिए किसी तरह की चिप को डिजाइन करने की प्रक्रिया को फैबलैस फाउंड्री कहा जाता है। देशभर में चिप की कमी के कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सबसे ज्यादा समस्या कारों को लेकर आ रही है और लंबी वेटिंग है। इसी कमी को दूर करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत हैं।